सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-359**
21/08/2017

मुख्यमंत्री ने हज यात्रियों के अंतिम जत्थे के रवानगी के लिये आयोजित दुआइयॉ मजलिस में शिरकत की

पटना, 21 अगस्त 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने हाजियों के अंतिम जत्थे को मक्का एवं मदिना के लिये रवाना करने से पूर्व आयोजित दुआईया मजलिस में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाजियों के अंतिम जत्थे को संबोधित करते हुये कहा कि मैं आप सबों को अपनी तरफ से मुबारकवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि हज पर जाने का मौका मिलना जीवन की सबसे बड़ी बात है। उन्होंने हज यात्रा के लिये राज्य हज समिति की ओर से किये गये इंतजाम की प्रशंसा की और इसके लिये बिहार राज्य हज समिति के अध्यक्ष जनाब हाजी इलियास हुसैन उर्फ सोनू बाबू को शुक्रिया अदा किया। उन्होंने प्रधान सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्री आमिर सुबहानी की भी प्रशंसा की और कहा कि उनके द्वारा हज यात्रियों के हर बिन्दू पर ध्यान रखा गया। यहॉ से गया और गया से उनकी रवानगी तक कि बेहतर व्यवस्था की गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार अब तक 6,485 हज यात्री मक्का मदिना के लिये जा चुके हैं। हज यात्रियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु राज्य सरकार की ओर से कुल 27 खादिमुल हुज्जाज का चयन किया गया है और अब तक कुल 24 खादिमुल हुज्जाज हज यात्रियों के दल के साथ भेजे जा चुके हैं, जिनमें एक वरीय उप समाहर्ता एवं दो खादिमुल हुज्जाज आज अंतिम हज यात्रियों के जत्थे के साथ जा रहे हैं, जहॉ वे हज यात्रियों के मक्का एवं मदिना में आवासन की अवधि में आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप हज करने जा रहे हैं, जरूर जाइये और हमारी यही दुआ है कि आपकी दुआ कबूल हो। यह दुआ मॉगियेगा की राज्य तरक्की करे और तरक्की तभी होगी, जब राज्य में अमन–चैन, मुहब्बत, सद्भाव का माहौल रहेगा। बिहार इंसाफ एवं तरक्की के रास्ते पर चल पड़ा है, समाज में भाईचारा, मुहब्बत, अमन–चैन, सद्भाव बना रहेगा तो बिहार की तरक्की को कोई रोक नहीं सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भयंकर बाढ़ आयी है। हम पूर्व के वर्षों में भी बाढ़ को देखते रहे हैं और बाढ़ पीड़ितों के लिये कार्य करते रहे हैं और इस बार भी कर रहे हैं। इस बार की बाढ़ कुछ अलग है। इस बार उन इलाकों में भी बाढ़ आयी है, जहॉ पर लोगों को इसका तर्जूबा नहीं है। तेज रफ्तार से पानी का बहाव हुआ, नेपाल और बिहार में भारी बारिश के कारण बहाव इतना तेज था कि वह फ्लश फ्लड जैसा लूक था। सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हमने मुआयना किया है और उसी के अनुरूप अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिया गया है। बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। लोगों का घर, सड़क, पुल/पुलिया, यहॉ तक के फोर लेन की सड़कों को भी नुकसान पहुँचा है। उन्होंने कहा कि आप बाढ़ पीड़ितों के लिये भी दुआ करें कि जो परेशान हैं, उनकी परेशानी दूर हो, आगे अच्छा जीवन बितायें। हमलोग तो उनके लिये कर ही रहे हैं, यह मेरा धर्म है, हमारी ड्यूटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मूल्क बगैर आपसी सद्भाव, प्रेम, मोहब्बत के बिना तरक्की नहीं कर सकता। आपकी दुआ कबूल हो और समाज में अमन–चैन, सद्भाव, प्रेम, मुहब्बत बना रहे।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जनाब खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद, बिहार राज्य हज समिति के अध्यक्ष जनाब हाजी इलियास हुसैन उर्फ सोनू बाबू, इमारत–ए–शरिया के काजी हजरत मौलाना मो0 कासिम मुजफ्फरपुरी, बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के मोहम्मद इरशादुल्लाह, बिहार राज्य शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जनाब इरशाद अली आजाद, विधान पार्षद जनाब सलमान रागिव, बिहार राज्य हज समिति के सदस्य जनाब अलहाज हुस्न अहमद कादरी, बिहार राज्य हज समिति के सदस्य जनाब हेलाल अहमद कादरी, प्रधान सचिव अल्पसंख्यक कल्याण जनाब आमिर सुबहानी, बिहार राज्य हज समिति के सदस्य सैयद हुसैन अहमद रिजवी, बिहार राज्य हज समिति के सदस्य मोहतरमा गुल फिशा जवीन उर्फ सूगन, पूर्व विधायक जनाब इजहार आलम सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इमारत–ए–शरिया के काजी हजरत मौलाना मो0 कासिम मुजफ्फरपुरी ने मजलिसे दुआइया में इजतमाई दुआ की और तमाम आलमे इंसानियत के बीच मेल–मोहब्बत, भाईचारगी के साथ बिहार और हिन्दुस्तान में अमन और चैन का माहौल कायम रहे, के लिये भी विशेष रूप से दुआ की। बिहार राज्य हज कमिटी के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इलियास हुसैन उर्फ सोनू बाबू ने मुख्यमंत्री को फूलों का गुलदस्ता, टोपी एवं रूमाल भेंटकर उन्हें सम्मानित किया।

******